केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड का दशकोत्सव मनाया गया, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा

जिसके पास ज्ञान है वही दुनिया पर राज करेगा

विशेष संवाददाता ● रांची

राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने कहा कि केंद्रीय विवि झारखंड के 10 वर्षों की यात्रा की तस्वीरें जो हम सबने देखी है, वो बहुत उम्मीद बढ़ाने वाली तस्वीरें है. विवि ही क्षेत्र के लोगों की नियति को बदल सकता है. देश का नया इतिहास लिख सकता है. आज दुनिया नॉलेज की सोसाइटी हो गयी है. पहले आम धारणा थी कि पैसे वाले और बड़े घराने में पैदा होनेवाले लोगों की जिंदगी ही बेहतर हो सकती है, लेकिन पिछले 30 वर्षों में यह साबित हो गया है कि जिसके पास ज्ञान है वही दुनिया पर राज करेगा. जिसके पास शिक्षा है वही दुनिया को बदलेगा. हरिवंश शुक्रवार को केंद्रीय विवि झारखंड के दशकोत्सव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने विवि की सराहना करते हुए कहा कि आप लोगों ने अपने कार्य से शानदार उपस्थिति दर्ज करायी है. साथ ही यकीन है कि आगे भी विवि अपने उद्देश्य में कामयाब रहेगा. उन्होंने इंफोसिस के एनआर नारायण मूर्ति, विप्रो के अजीम प्रेमजी और डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की शुरुआती और अभाव भरी जिंदगी के उदाहरण दिये. कैसे इन्होंने ज्ञान के बदौलत ही देश ही नहीं बल्कि दुनिया में अपना नाम रोशन किया.

कॉफी टेबल बुक का विमोचन

समारोह के दौरान 'अखबार कहता है' कॉफी टेबल बुक के साथ मैगजीन और स्मारिका का विमोचन भी किया गया. साथ ही विवि के 10 वर्षों के सफर को लेकर डाक्यूमेंट्री फिल्म छात्रों को भी दिखायी गयी.

केंद्रीय विवि झारखंड के दशकोत्सव समारोह में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर काफी संख्या में प्रबुद्धजन और विद्यार्थी उपस्थित थे.

चीन और अमेरिका की तर्ज पर ज्ञान के केंद्र विकसित करने की जरूरत

हरिवंश ने कहा कि आज सर्वत्र विज्ञान की ही पूजा हो रही है. हमें चीन और अमेरिका की तर्ज पर ज्ञान के केंद्र विकसित करने होंगे. क्योंकि जहां ज्ञान के केंद्र ताकतवर, बेहतर व संपन्न होंगे, वहीं के छात्र दुनिया में कामयाबी हासिल करेंगे. उन्होंने केंद्रीय विवि को अपने स्तर से हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया. स्थानीय समाज से जुड़ने की बात भी कही. श्री हरिवंश ने कहा कि विवि के ज्ञान की खिड़की खुले और इसकी रोशनी पूरे समाज को मिले.

जुलाई में नये कैंपस में शिफ्ट होगा केंद्रीय विश्वविद्यालय

इससे पूर्व कुलपति नंद कुमार यादव इंदु ने विवि के 10 वर्षों के सफर, उपलब्धि और समस्याओं की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि प्रयास है कि इसी वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में विवि अपने नये कैंपस में शिफ्ट हो जाये. भविष्य में देश के टॉप-10 विवि में इसका भी नाम हो. इस दौरान डॉ रंजय यादव ने विचार व्यक्त किये. इस दौरान फोटो प्रदर्शनी भी लगायी गयी, जिसका अतिथियों ने अवलोकन किया.

ट्राइबल कल्चर और भाषा पर भी ध्यान देने की है जरूरत

दशकोत्सव में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग के सदस्य डॉ बी सिंह मान ने कहा कि विवि के नये भवन में शिफ्ट करने में अब कोई परेशानी नहीं है. कुलपति से कहा कि विवि में ट्राइबल कल्चर और भाषा पर भी फोकस करने की जरूरत है. यहां के स्थानीय और समाज के लोग विवि में कैसे पढ़ें और उन्हें कैसे विवि तक लाया जाये, इस पर विचार करना होगा. साथ ही उनकी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप की जरूरत है. प्रयास होगा कि इसके लिए 100 स्कॉलरशिप क्रियेट हो.

अभी बहुत कुछ करना बाकी है : शिक्षाविद प्रो केके नाग ने कहा कि विवि का 10 वर्ष का समय शैशव काल ही होता है. अभी लंबा सफर है. विवि तभी आगे बढ़ेगा जब सभी मिलकर अपनी भागीदारी देंगे. विवि के नये कैंपस में प्रत्येक छात्र को पेड़ लगाने और सेवा करने की अपील की गयी.

ढोल-नगाड़ों से हुआ स्वागत : इससे पहले समारोह में अतिथियों का स्वागत ढोल-नगाड़ों से किया गया. दशकोत्सव की शुरुआत दीप जलाकर की गयी. विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. इस मौके पर मांडर विधायक गंगोत्री कुजूर, प्रो एसएल हरिकुमार, रेलवे के चीफ पीआरओ नीरज कुमार, कई विश्वविद्यालय के कुलपति, रिम्स के निदेशक आदि मौजूद थे.